न्यूजीलैंड ने दोबारा कोरोना पर पाई विजय

शानदार सफलता पर देशवासियों ने जमकर जश्न मनाया

जश्न

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड ने एक बार फिर से कोरोना वायरस पर विजय हासिल कर लिया है। ऐसा दूसरी बार है जब न्यूजीलैंड ने इस महामारी पर काबू पाया है। इस शानदार सफलता पर देशवासियों ने जमकर जश्न मनाया। इससे पहले बुधवार को स्वास्थ्य अधिकारियों ने ऐलान किया था कि आकलैंड आटूमन क्लस्टर खत्म हो गया है। सभी 6 संक्रमित मरीज ठीक हो गए हैं और देश में अब कोरोना वायरस का कोई मामला नहीं बचा है।

इन नए क्लस्टर की पहचान अगस्त में हुई थी। इसके साथ ही 102 दिनों बाद न्यूजीलैंड में कोरोना के नए केस सामने आए थे। बुधवार रात से आकलैंड में सभी प्रतिबंध हटा लिए गए। साथ अलर्ट का लेवल भी एक कर दिया गया। इन प्रतिबंधों को हटाए जाने के बाद अब देश में बार और रेस्त्रां में 100 से ज्यादा लोगों के इकट्ठा होने पर लगा

प्रतिबंध हटा लघ्यिा गया है।

इस जीत के बाद जश्न के रूप में 18 अक्टूबर को जश्न मनाया जाएगा। देश के स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि यह खबर देश के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। न्यूजीलैंड के लोगों ने एक बार फिर से अपने सामूहिक प्रयास से कोरोना वायरस को मात दे दी है। कोरोना वायरस के पहले वेब के बाद हमने जिस सिस्टम को बनाया था, उसने वायरस के खिलाफ बहुत अच्छे से काम किया। न्यूजीलैंड में 24 सितंबर के बाद से कोरोना वायरस का कोई मामला सामने नहीं आया है।

कोरोना वायरस पर कैसे पाया काबू?: यूनिवर्सिटी ऑफ ओटागो में महामारी विशेषज्ञ प्रफेसर माइकल बेकर बताते हैं कि न्यूजीलैंड ने शुरू से साहसी और सख्त फैसले लिए। शुरुआत में ही काफी सख्त लॉकडाउन लगाया। अपनी सीमाओं को पूरी तरह सील कर दिया और स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर जोर दिया।

इसी का नतीजा है कि कई देशों में अर्थव्यवस्था की स्थिति डगमगा रही है, तो न्यूजीलैंड अपने यहां बेरोजगारी दर को 4 फीसद पर रखने में कामयाब रहा है।

उन्होंने कहा, यह अच्छे विज्ञान और बेहतरीन राजनीतिक नेतृत्व का कमाल है। यदि आप दुनियाभर में देखें, तो जिन देशों ने संक्रमण को काबू पाने में सफलता हासिल की है, वहां आमतौर पर इन दोनों चीजों का संगम है। इस सफलता के लिए दुनियाभर में न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री की प्रशंसा हो रही है।

न्यूज डायरी

व्लादिमीर पुतिन ने डोनाल्ड ट्रंप और बाइडेन दोनों को साधा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मास्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने राष्ट्रपति पद के डेमोक्रेटिक उम्मीदवार जो बाइडेन की 'रूस विरोधी बयानबाजी' की आलोचना की, लेकिन साथ ही हथियार नियंत्रण संबंधी उनकी टिप्पणियों की सराहना भी की। अमेरिका में आगामी राष्ट्रपति चुनाव पर अपने पहले विस्तृत बयानों में पुतिन ने मास्को और वॉशिंगटन के बीच संबंध सुधारने में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की विफलता पर भी खेद जताया। पुतिन ने कहा कि 'रूस पर नियंत्रण करने और उसका विकास रोकने पर' रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टी के बीच सहमति है। रूस के सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित पुतिन की इन टिप्पणियों के कई मायने हैं, मसलन ट्रंप की तरफदारी करना, साथ ही बाइडेन कैंप से नजदीकियां बढ़ाने के प्रयास करना। पिछले हफ्ते बहस के दौरान बाइडेन ने ट्रंप को 'पुतिन का वफादार' कहा था जो दरअसल एक तरह से रूस की तारीफ है और यह 'वास्तव में हमारी प्रतिष्ठा को बढ़ाती है' क्योंकि इस तरह वह हमारे अभूतपूर्व प्रभाव और ताकत के बारे में बात कर रहे हैं।

दिलदार महिला ने भिखारियों को दिया स्क्रैचकार्ड, निकला 43 लाख का जैकपॉट!

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ब्रेस्ट। फ्रांस के ब्रेस्ट में एक लॉटरी शॉप के बाहर भीख मांगने वाले चार बेघर दोस्तों ने कभी सोचा नहीं होगा कि उनकी किस्मत एक दिन ऐसे पलटेगी। इस लॉटरी शॉप पर एक महिला इन दोस्तों से बात करने के बाद पहुंची और एक स्क्रैचकार्ड खरीदा। उसने यह स्क्रैचकार्ड बाहर बैठे दोस्तों को दे दिया। बाद में उन्हें पता चला कि इस पर उनका 50 हजार यूरो (करीब 43 लाख रुपये) का जैकपॉट लगा है तो उनके होश उड़ गए।
फ्रांस के लॉटरी ऑपरेटर FDJ ने इस बारे में जानकारी दी कि चार बेघर भिखारियों को एक महिला ने एक यूरो कार्ड दिया था जिस पर उनका जैकपॉट लग गया। 30 की उम्र के आसपास के तीन पुरुष और एक महिला लॉटरी शॉप के बाहर भीख मांगते थे। महिला ने शॉप में जाने से पहले उन लोगों से बात की थी। आमतौर पर लोग उन्हें खाने के लिए कुछ या सिक्के दे देते हैं लेकिन महिला बाहर जाते वक्त उन्हें स्क्रैचकार्ड दे गई।

ब्रिटेन में अगले महीने से लगेगा कोरोना का टीका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। कोरोना से जूझ रही दुनिया के लिए बहुत अच्छी खबर है। ब्रिटेन में अगले महीने से कोरोना वायरस वैक्सीन को व्यापक पैमाने पर लगाने की तैयारी शुरू हो गई है। ब्रिटेन का नैशनल हेल्थ सिस्टम क्रिसमस तक देश में 5 जगहों पर वैक्सीन लगाने की सुविधा देने जा रहा है। इसके लिए एनएचएस के हजारों कर्मचारी इन जगहों पर तैनात किए जाएंगे। हर दिन कम से कम 10 हजार लोगों को कोरोना का टीका लगाने की योजना है। ब्रिटिश अखबार द सन की रिपोर्ट के मुताबिक टीकाकरण के दौरान कोरोना वायरस संक्रमण से सबसे ज्यादा खतरे का सामना कर रहे लोगों को सबसे पहले बुलाया जाएगा। कोरोना का टीका लगाने के लिए लीड्स, हल और लंदन में सेंटर बनाए जाएंगे। इसके अलावा मोबाइल यूनिट को भी तैयार किया जाएगा जो जरूरतमंद लोगों और केयर होम्स तक जाएंगे।

मास्क पहनने से कोरोना वायरस के प्रसार में आती है कमी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) टोरंटो। दुनियाभर में कोरोना महामारी का कहर तेजी से बढ़ता जा रहा है। अब तक दुनियाभर में 3.50 करोड़ से अधिक लोग कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं, वहीं 10 लाख से अधिक लोगों की कोरोना से मौत हो चुकी है। कोरोना महामारी के संक्रमण को रोकने के लिए सभी से मास्क पहनने की अपील की जाती है। अब एक नए शोध में यह बात साबित हो गई है कि मास्क पहनने से कोरोना वायरस के प्रसार में कमी आती है। शोध में कहा गया है कि मास्क पनने से कोरोना के नए मामलों में 25 फीसद तक कमी आती है। एक नए शोध में कहा गया है कि मास्क पहनना कोरोना के प्रसार को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

Draconid Meteor Shower के बाद पूरे अक्टूबर छाई रहेगी आतिशबाजी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

लंदन। अक्टूबर का आसमान रात के वक्त जैसे आतिशबाजी से भरा रहने वाला है। 8–9 अक्टूबर की शाम Draconid Meteor Shower (उल्कापिंडों की बारिश) की वजह से हर घंटे टूटते तारे नजर आएंगे। आमतौर पर उल्कापिंड कॉमेट से बनते हैं। जब कॉमेट सूरज का चक्कर काटते हैं तो उनसे धूल और बर्फ निकलती है। जब धरती के करीब से गुजरते हैं तो रोशनी के साथ ये टूटते तारे जैसे नजर आते हैं।

Draconid टूटते तारों का नाम Draco तारामंडल के नाम पर रखा गया है। धरती जब Giacobini&Zinner कॉमेट के मलबे से होकर गुजरती है तो ये बनते हैं। आमतौर पर टूटते तारे तड़के सुबह दिखते हैं लेकिन Draconid शाम को सबसे अच्छी तरह से नजर आते हैं। इनके 8–9 अक्टूबर को दिखाई देने की उम्मीद है। अगर आप Draconid किसी वजह से नहीं देख पाते हैं तो अक्टूबर में एक और उल्कापिंड की बारिश होगी। Orionid के 20–21 अक्टूबर की रात बड़ी संख्या में होने की उम्मीद है। ये Orion तारामंडल की ओर से आते हैं और इनका संबंध फेमस Halley's comet से है। इसके अलावा अक्टूबर में ज्नतपक भी होगा जो Taur तारामंडल से आता है। इसके 9–10 अक्टूबर और फिर 10–11 नवंबर को पीक पर होने की उम्मीद है।

रूस में दो बच्चों को जन्म देकर लापता हुई पुतिन की गर्लफ्रेंड

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) रूस। रूस की पूर्व जिमनास्ट और देश के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की प्रेमिका कही जाने वाली अलीना कबाइवा दो बच्चों को जन्म देने के बाद से लापता हैं। उन्हें वर्ष 2018 में अंतिम बार देखा गया था। कहा जाता है कि अलीना उस समय दो महीने की गर्भवती थीं। उन्होंने पिछले साल अप्रैल महीने में मास्को के एक अस्पताल में दो बच्चों को जन्म दिया था। माना जाता है कि ये बच्चे पुतिन के हैं। बच्चों को जन्म देने के बाद से ही अलीना के बारे में कोई जानकारी नहीं है। इससे उनको लेकर रहस्य गहराता जा रहा है। अलीना एक फेमस और सफल जिमनास्ट रही हैं और उन्होंने ओलंपिक में दो बार गोल्ड मेडल, 14 विश्व्व चौंपियनशिप और 25 यूरोपीय चैंपियनशिप जीते हैं।

कैसे होगा दुनिया का खात्मा, मिस्र के 4,500 साल पुराने मकबरे से खुलेंगे राज

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

कायरो। मिस्र में पिछले दिनों 2500 साल पुराने ताबूत खोले गए तो एक बार फिर इतिहास में दफन राज, रहस्य और कहानियों की चर्चा चल निकली है। यही नहीं, कायरो के दक्षिणपूर्व में अबूसीर नेक्रोपोलीस (कब्रिस्तान) में वह चेंबर मिला जहां रॉयल लीडर खेंटकॉस को दफनाया गया था। खेंटकॉस के मकबरे से रिसर्चर्स को उस वक्त के खतरों के बारे में पता चला है और उनका दावा है कि इतिहास खुद को दोहरा सकता है। उनका कहना है कि दुनिया के अंत को स्वीकार कर उसे बचाने की

इतिहास खुद को दोहरा सकता है

कोशिश की जा सकती है। खेंटकॉस से 650 फीट दूर ही उनके पति फिरौन नेफेरफ्रे दफन थे। प्रॉजेक्ट लीडर प्रफेसर मीरोस्लाव बार्ता जिसे ओल्ड किंगडम का काला धब्बा बताते हैं, नई खोज से उसके बारे में और जानकारी जुटाने में मदद मिलेगी। चेक इंस्टिट्यूट ऑफ इजिप्टॉलजी की टीम का मानना है कि यहां मिले शिलालेखों से उस वक्त के बारे में और पता लगाया जा सकेगा।

पता चला कैसे हुआ था अंत

इंसानों के अवशेषों और शिलालेखों के अलावा पुरातत्वविदों को यहां पॉटरी, लकड़ी का काम, तांबा और जानवरों की हड्डियां मिली हैं। इनसे पता चला है कि खेंटकॉस कैसा जीवन जीती थी और भविष्य को लेकर उसके डर के बारे में भी पता चला है। प्रफेसर बार्ट का कहना है कि यह वह समय था जब ओल्ड किंगडम के सामने कई चुनौतियां थीं। लोकतंत्र बढ़ रहा था, परिवारवाद का असर दिख रहा था, इंट्रेस्ट ग्रुप और क्लाइमेट चेंज ने न सिर्फ ओल्ड–किंगडम का अंत किया बल्कि उस वक्त के मिडिल ईस्ट और पश्चिमी यूरोप का भी।

दोहरा रहा है इतिहास?: पानी की कमी की वजह से फसल अच्छी नहीं होती थी और लोग टैक्स नहीं जमा कर पाते थे। टैक्स न मिलने के कारण राज्य का विकास नहीं हो पा रहा था।

क्रिसमस तक अफगानिस्तान से हट जाएगी अमेरिकी सेनाः ट्रंप

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि अफगानिस्तान में बचे हुए सभी सैनिक क्रिसमस तक अमेरिका वापस आ जाएंगे। उन्होंने यह बयान अफगानिस्तान में अमेरिकी हमले के 19 साल पूरे होने के मौके पर दिया। ट्रंप की इस घोषणा पर व्हाइट हाउस और नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल ने फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। बता दें कि अफगानिस्तान में तालिबान के साथ लड़ाई के दौरान अब तक 2400 अमेरिकी सैनिकों की जान जा चुकी है जबकि कई हजार सैनिक बुरी तरह घायल हुए हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने ट्वीट करके कहा, फिलहाल अफगानिस्तान में बहुत कम संख्या में सैनिक तैनात हैं और अमेरिकी लोगों को यह अपेक्षा करनी चाहिए कि 25 दिसंबर तक बाकी बचे सैनिक देश वापस आ जाएंगे। इसी वर्ष 29 फरवरी को तालिबान के साथ हुए समझौते के तहत अमेरिका ने अफगानिस्तान में मौजूद सैनिकों की संख्या को घटाकर 8600 तक कर दिया है। अगस्त में राष्ट्रपति ने यह फैसला लिया था कि नवंबर तक अफगानिस्तान में स्थितियां ऐसी हो जाएंगी कि सैनिकों की संख्या को चार से पांच हजार के बीच किया जा जा सकेगा।